सैकड़ों बीघा वनभूमि पर दौड़े ट्रैक्टर, जंगल बने खेत

खास बातें

- शमशाबाद वन परिक्षेत्र में अतिक्रमण के आरोप
- वन विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

वन विभाग का पक्ष

वन परिक्षेत्र अधिकारी संगीता अमलताश ने कहा, हमारे डिप्टी रेंजर और नाकेदार निरंतर वन परिक्षेत्र में सक्रिय हैं. यदि किसी ने वनभूमि पर कब्जा किया है तो तत्काल बेदखली की कार्रवाई की जाएगी.अब यह देखना होगा कि वन विभाग इस मामले में जांच कर कथित अतिक्रमण के विरुद्ध क्या कार्रवाई करता है. स्थानीय नागरिकों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर वनभूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है.

वनभूमि पर ट्रांसफार्मर, कुएं और ट्यूबवेल तक स्थापित

मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कई स्थानों पर वनभूमि पर ट्रांसफार्मर रखकर कुएं और ट्यूबवेल स्थापित कर दिए गए हैं तथा सिंचित खेती की जा रही है. स्थानीय लोगों का आरोप है कि राजनीतिक संरक्षण और अधिकारियों-कर्मचारियों की कथित मिलीभगत के कारण कुछ बीटों में वर्षों से एक ही नाकेदार पदस्थ हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर समीकरण बन जाते हैं और अतिक्रमण पर प्रभावी रोक नहीं लग पाती.हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है.

हर वर्ष हटता है कब्जा, फिर लौट आती है खेती

ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग हर साल जेसीबी और ट्रैक्टर से गड्ढे कराकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करता है, जिस पर लाखों रुपये खर्च होते हैं. इसके बावजूद कुछ समय बाद उन्हीं स्थानों पर दोबारा खेती शुरू हो जाती है. इससे कार्रवाई की प्रभावशीलता और विभागीय निगरानी पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं.

से प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही.

ग्रामीणों के अनुसार किशनपुर के खोए के जंगल के बीच ट्रैक्टरों से हाकाई-जुताई कर फसल बोई गई है. धीरे-धीरे वनभूमि पर खेती का दायरा बढ़ता जा रहा है, जिससे जंगलों के अस्तित्व पर संकट गहराने लगा है. लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले वर्षों में बड़ी मात्रा में वनभूमि कृषि भूमि में तब्दील हो सकती है.वनभूमि की सुरक्षा के लिए हर वर्ष सीसीटी कंटूर ट्रेंच खुदाई, मुनारे निर्माण एवं अन्य संरक्षण कार्यों पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं. इसके बावजूद चिन्हित सीमाओं के भीतर अतिक्रमण जारी रहने से इन कार्यों की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं. स्थानीय लोगों का आरोप है कि बरसात के दौरान वनभूमि पर अतिक्रमण रोकने के लिए गठित विशेष टीम केवल औपचारिक निरीक्षण तक सीमित रही. सड़कों के किनारे भ्रमण तो हुआ, लेकिन वनभूमि पर हो रहे बड़े पैमाने के अतिक्रमण के विरुद्ध ठोस कार्रवाई नहीं की गई.

शासकीय कन्या प्राथमिक शाला के बाहर कचरे का ढेर

दुर्गंध और जहरीले जीवों से छात्राएं परेशान

नवभारत न्यूज

पठारी 12 जुलाई. नगर की शासकीय कन्या प्राथमिक शाला पठारी इन दिनों गंदगी और अव्यवस्था की समस्या से जूझ रही है. विद्यालय के मुख्य द्वार के समीप पिछले कई महीनों से मोहल्ले का कचरा डाला जा रहा है. जिससे स्कूल आने वाली छात्राओं और शिक्षकों को दुर्गंध तथा अस्वच्छ वातावरण का सामना करना पड़ रहा है. शिक्षा के मंदिर के बाहर फैली गंदगी से न केवल विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है. बल्कि उनके मानसिक वातावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है.

लगातार हो रही बारिश के कारण स्थिति और गंभीर हो गई है. गटर. नालियों और बिलों में पानी भरने से सांप. गोह तथा अन्य विषैले जीव-जंतु सुरक्षित स्थान की तलाश में बाहर निकल रहे हैं. कई बार ये जीव विद्यालय परिसर और कक्षाओं तक पहुंच चुके हैं. जिससे छात्राओं. शिक्षकों और अभिभावकों में भय का माहौल बना हुआ है. स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सफाई और सुरक्षा के उपाय नहीं किए गए तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है. नागरिकों और शिक्षकों ने ग्राम पंचायत से मांग की है कि नालियों की जड़ से सफाई कराई जाए तथा गटरों और आसपास के क्षेत्रों में कीटनाशक एवं आवश्यक दवाइयों का नियमित छिड़काव कराया जाए. ताकि जहरीले जीव-जंतुओं और मच्छरों के प्रकोप पर नियंत्रण पाया जा सके. उनका कहना है कि बरसात के मौसम में विशेष सफाई अभियान चलाकर जलभराव समाप्त करना भी जरूरी है.इस संबंध में ग्राम पंचायत सरपंच राखी अखिलेश पंथी ने बताया कि पंचायत द्वारा नगर में नियमित रूप से कचरा वाहन संचालित किया जा रहा है. लेकिन कई नागरिक उसका उपयोग नहीं कर रहे हैं. इसके बावजूद कुछ लोग शासकीय कन्या प्राथमिक शाला के पास ही कचरा फेंक रहे हैं. जिससे वातावरण दूषित हो रहा है और स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित हो रही है.विद्यालय की छात्राओं. शिक्षकों और स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन एवं ग्राम पंचायत से मांग की है कि स्कूल के आसपास तत्काल कचरा डालना बंद कराया जाए. जमा कचरे की सफाई कराई जाए तथा लोगों को कचरा वाहन का उपयोग करने के लिए जागरूक किया जाए. ताकि छात्राओं को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण में शिक्षा मिल सके.

पठारी-खुरई मार्ग परिवर्तन को लेकर पुलिस ने लगाए बैरिकेट

नवभारत न्यूज

पठारी. हनोता डैम परियोजना में जलभराव के कारण पठारी-खुरई मार्ग के दलपतपुर घाट क्षेत्र को बंद किए जाने के बाद पुलिस प्रशासन ने यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं. थाना प्रभारी ऋतुराज सिंह के निर्देशन में परिवर्तित मार्ग पर बैरिकेड लगाकर वाहन चालकों और नागरिकों को वैकल्पिक मार्ग की जानकारी दी जा रही है. थाना प्रभारी ऋतुराज सिंह ने बताया कि लगातार बारिश के चलते हनोता डैम का जलस्तर बढ़ने से दलपतपुर घाट मार्ग पर आवागमन असुरक्षित हो गया है. लोगों की सुरक्षा को देखते हुए इस मार्ग को अस्थायी रूप से बंद किया गया है. उन्होंने बताया कि अब खुरई जाने वाले वाहन चालकों को बिसलोनी चौराहा, सैदपुर, खजुरिया, गोडखेड़ी और दानखेड़ी होते हुए वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करना होगा. पुलिस द्वारा प्रमुख स्थानों पर बैरिकेड लगाकर वाहन चालकों को मार्ग परिवर्तन की जानकारी दी जा रही है, ताकि किसी प्रकार की असुविधा या दुर्घटना की स्थिति न बने.

विश्व हिन्दू परिषद का दो दिवसीय जिला अभ्यास वर्ग संपन्न

नवभारत न्यूज

सिरोंज, विश्व हिन्दू परिषद के दो दिवसीय जिला अभ्यास वर्ग का रविवार को सायं समापन हुआ. वर्ग में जिले भर से आए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर संगठन की कार्यपद्धति, सेवा, सुरक्षा, धर्म प्रसार, सामाजिक समरसता तथा आगामी कार्ययोजनाओं पर प्रशिक्षण प्राप्त किया. समापन सत्र में संगठन को अधिक सशक्त एवं समाजोन्मुख बनाने का आह्वान किया गया.

समापन सत्र को संबोधित करते हुए विभाग संगठन मंत्री मुकेश माहेश्वरी ने कहा कि संगठन का कार्य ईश्वरीय कार्य है और प्रत्येक कार्यकर्ता का सौभाग्य है कि उसे इस पुनीत कार्य का अवसर मिला है. उन्होंने कहा कि राम मंदिर निधि समर्पण अभियान, अक्षत वितरण अभियान, गौसंरक्षण, कन्या सुरक्षा तथा अन्य सेवा कार्यों में कार्यकर्ताओं ने समर्पण के साथ अपनी भूमिका निभाई है. ऐसे कार्य बिना ईश्वर की कृपा के संभव नहीं होते, इसलिए सभी कार्यकर्ताओं को पूर्ण निष्ठा, अनुशासन और ऊर्जा के साथ समाज एवं राष्ट्रहित के कार्यों में जुटे रहना चाहिए. उन्होंने

कहा कि विश्व हिन्दू परिषद का जन्म चुनौतियों के बीच हुआ था और संगठन ने हर चुनौती का दृढ़ता से सामना किया है. उन्होंने कहा कि लंबे संघर्ष और समाज की एकजुटता से आज भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण संभव हुआ. उन्होंने वर्ष 1996 में आतंकवादियों द्वारा अमरनाथ यात्रा में उत्पन्न चुनौतियों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि संगठन ने हर कठिन परिस्थिति में समाज के साथ खड़े होकर अपने दायित्वों का निर्वहन किया है. उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल आंदोलनों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सेवा, संस्कार और संगठन की भावना को मजबूत करना भी है.

सनातन श्री हिंदू उत्सव समिति के चुनाव के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त

नवभारत न्यूज

विदिशा. सनातन श्री हिंदू उत्सव समिति के वर्ष 2026 के चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं. समिति के अध्यक्ष नितिन माहेश्वरी ने वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट संतोष शर्मा को समिति का मुख्य चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है.समिति की साधारण सभा की बैठक 26 जुलाई 2026, रविवार को दोपहर 12 बजे तारा देवी हॉल, अग्रवाल धर्मशाला, माधवगंज में आयोजित की जाएगी. बैठक में समिति के सभी अजीवन सदस्यों को सादर आमंत्रित किया गया है.

35 वर्ष बाद फिर याद आए आदिवासी, शिवराज बोले- गरीबों को वन भूमि से बेदखल नहीं होने देंगे

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. जन समस्या निवारण शिविर में केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आदिवासी परिवारों से जुड़े वन भूमि के मुद्दे पर महत्वपूर्ण बयान दिया. उन्होंने कहा कि गरीब आदिवासियों को वन विभाग की भूमि से बेदखल नहीं किया जाना चाहिए और उन्हें खेती-बाड़ी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करने से नहीं रोका जाना चाहिए.

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि करीब 35 वर्ष पहले उन्होंने उदयपुर क्षेत्र में पैदल यात्रा की थी और उस दौरान आदिवासी परिवारों की समस्याओं को करीब से देखा था. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि गरीब आदिवासियों को उनकी जमीन से बेदखल करने का प्रयास किया गया तो वह स्वयं वहां पहुंचेंगे और किसानों के साथ खेत में बोनी करने उतरेंगे.केंद्रीय मंत्री के इस बयान के बाद क्षेत्र में आदिवासी परिवारों के बीच नई उम्मीद जगी है. लंबे समय से वन भूमि पर खेती कर रहे कई परिवार स्थायी समाधान और अधिकारों की मांग करते रहे हैं.क्षेत्र के लोगों का कहना है कि केवल आश्वासन से समस्या का समाधान नहीं होगा. उन्होंने मांग की है कि पात्र आदिवासी परिवारों को वन अधिकार कानून के तहत भूमि के पट्टे प्रदान किए जाएं तथा उनके किसान क्रेडिट कार्ड भी बनाए जाएं.

केंद्रीय विद्यालय की बिजली शहर फीडर से जोड़ने और रिक्त पद भरने की मांग

पालकों ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

गंज बासौदा. केंद्रीय विद्यालय की विद्युत व्यवस्था में सुधार एवं लंबे समय से रिक्त शिक्षकों के पदों को भरने की मांग को लेकर पालकों ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था को प्रभावित कर रही प्रमुख समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया गया.

पालकों ने बताया कि विधायक हरि सिंह रघुवंशी के प्रयासों तथा तत्कालीन सांसद स्वर्गीय सुषमा स्वराज के सहयोग से गंज बासौदा में केंद्रीय विद्यालय की स्थापना हुई थी. इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिल रहा है. विद्यालय का भवन नगर से लगभग तीन किलोमीटर दूर ग्रामीण क्षेत्र में स्थित होने के कारण उसे ग्रामीण फीडर से विद्युत आपूर्ति मिलती है.उन्होंने बताया कि ग्रामीण फीडर से पर्याप्त बिजली नहीं मिलने के कारण स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर शिक्षा, प्रयोगशालाओं सहित विद्युत आधारित शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहे हैं. गर्मी के मौसम में बिजली की कमी के कारण कक्षाओं में बैठना भी विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए कठिन हो जाता है.ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि विद्यालय में कई शिक्षकों के पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं. पर्याप्त शिक्षकों के अभाव में विद्यार्थियों की नियमित और गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई प्रभावित हो रही है.पालकों ने केंद्रीय मंत्री से मांग की कि केंद्रीय विद्यालय की विद्युत आपूर्ति को शहर फीडर से जोड़ा जाए, ताकि निर्बाध बिजली उपलब्ध हो सके. साथ ही विद्यालय में रिक्त शिक्षकों के पदों पर शीघ्र नियुक्तियां कर विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाए.

योजना के प्रारंभ से ही मिल रहा लाभ

नवभारत न्यूज

विदिशा. विदिशा शहर के टीलाखेड़ी क्षेत्र निवासी 32 वर्षीय शिवानी शिल्पकार मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का शुरुआत से लाभ ले रही हैं. आंगनवाड़ी सहायिका के रूप में कार्यरत शिवानी ने बताया कि योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाली 1250 रुपये की राशि से घर की छोटी-छोटी जरूरतें पूरी करने, बेटे की पढ़ाई और दैनिक खर्चों में काफी मदद मिल रही है. उन्होंने कहा कि इस योजना ने महिलाओं को आर्थिक संबल देने के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ाया है. शिवानी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया.

कृषि उपज मंडी में जहरीले जीव-जंतुओं का बढ़ा खतरा

बरसात में अनाज गोदामों और दुकानों तक पहुंच रहे सांप

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. बरसात के मौसम में कृषि उपज मंडी परिसर में जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा बढ़ गया है. मंडी में बड़ी संख्या में मौजूद चूहों के कारण सांप और अन्य विषैले जीव अनाज गोदामों तथा दुकानों तक पहुंच रहे हैं, जिससे मजदूरों, व्यापारियों और किसानों में चिंता का माहौल है.

जानकारों के अनुसार जहां चूहों की संख्या अधिक होती है, वहां सांप भी अपना स्थायी ठिकाना बना लेते हैं क्योंकि चूहे उनका प्रमुख भोजन हैं. कृषि उपज मंडी में अनाज की अधिकता के कारण चूहों की संख्या लगातार बनी रहती है. बरसात के दौरान बिलों में पानी भर जाने से सांप सुरक्षित स्थान और भोजन की तलाश में गोदामों, दुकानों तथा मंडी परिसर में प्रवेश कर जाते हैं.मंडी में काम करने वाले मजदूरों का कहना है कि कई बार बोरी उठाते समय या गोदामों में काम करते हुए अचानक सांप और अन्य जहरीले जीव सामने आ जाते हैं. इससे हादसे की आशंका बनी रहती है और मजदूरों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं.

स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के दिनों में बड़ी संख्या में जहरीले जीव-जंतु अपने बिलों से बाहर निकल रहे हैं और अनाज गोदामों तथा दुकानों को सुरक्षित ठिकाना बना रहे हैं. ऐसे में मंडी परिसर में नियमित साफ-सफाई, चूहों पर नियंत्रण और कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया जाना आवश्यक है.व्यापारियों और मजदूरों ने प्रशासन से मांग की है कि मंडी परिसर में जहरीले जीव-जंतुओं से बचाव के लिए प्रभावी व्यवस्था की जाए. साथ ही सर्पदंश जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार की सुविधा, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता और त्वरित चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए.

गंजबासौदा में 12 जुलाई से शुरू होगा बरसात महोत्सव पौधारोपण अभियान

विद्यालयों, शासकीय परिसरों और सार्वजनिक स्थानों पर लगाए जाएंगे पौधे

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. नगर के जागरूक युवाओं द्वारा 12 जुलाई से व्यापक पौधारोपण अभियान की शुरुआत बरसात महोत्सव के रूप में की जा रही है. अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक पौधे लगाकर शहर को हरा-भरा बनाना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना है.

अभियान के तहत विद्यालयों के प्रांगण, शासकीय कार्यालय परिसरों तथा नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ पौधारोपण किया जाएगा. पौधे लगाने के साथ उनकी सुरक्षा, नियमित सिंचाई और देखरेख की जिम्मेदारी भी संबंधित संस्थानों और कर्मचारियों को सौंपी जाएगी, ताकि लगाए गए पौधे सुरक्षित रहकर वृक्ष का रूप ले सकें.युवाओं ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ, परिजनों की स्मृति तथा पुण्यतिथि जैसे अवसरों पर पौधारोपण करें. उनका मानना है कि इस तरह की पहल से समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा और अधिक लोग पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आएंगे.अभियान के अंतर्गत नगर के शासकीय भूखंडों पर भी बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा तथा पौधों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी. युवाओं का कहना है कि पर्यावरण सुधार की दिशा में समाज की भागीदारी और जिम्मेदारी ही इस अभियान को सफल बनाएगी तथा शहर की दशा और दिशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.अभियान में विद्यालयों के छात्र-छात्राओं को भी शामिल किया जाएगा. उनसे अपने-अपने विद्यालय परिसरों को हरा-भरा और स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग का आग्रह किया जाएगा. साथ ही नगर के जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जाएगा.अभियान को सफल बनाने के लिए वन विभाग से पौधे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया जाएगा. इसके लिए बेतवा उत्थान समिति द्वारा विभाग को पत्र भेजा जाएगा तथा अधिकारियों से व्यक्तिगत रूप से भी चर्चा की जाएगी.आयोजकों का कहना है कि बिगड़ते पर्यावरण और बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए यह अभियान समय की आवश्यकता है. यदि समाज का प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल का संकल्प ले, तो आने वाले वर्षों में गंजबासौदा को एक हरित और स्वच्छ नगर के रूप में विकसित किया जा सकता है.

सीएम ने सिंगल क्लिक से जिले की 2 .71 लाख लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित किए 40 करोड़ रुपये

नवभारत न्यूज

विदिशा. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत सिंगल क्लिक के माध्यम से जुलाई 2026 की आर्थिक सहायता राशि प्रदेश की पात्र महिलाओं के बैंक खातों में अंतरित की. इस दौरान विदिशा जिले की 2 लाख 71 हजार 446 लाड़ली बहनों के खातों में लगभग 40 करोड़ रुपये की राशि सीधे हस्तांतरित की गई.

कलेक्टर अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा के निर्देशन में जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों, ग्राम पंचायत मुख्यालयों और नगरीय निकायों में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कराया गया. बड़ी संख्या में लाड़ली बहनों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेकर मुख्यमंत्री का संबोधन सुना और राशि अंतरण का लाइव प्रसारण देखा. भिंड जिले से आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगल क्लिक के माध्यम से योजना की राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में भेजी. कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने योजना के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए प्रदेश सरकार का आभार जताया.

मौन सूचना

विकास पचौरी जी मौन साधना कर रहे हैं. इसलिए निःशुल्क शव वाहन हेतु कृपया फोन न करें बल्कि शेरपुरा विदिशा स्थित विकास पचौरी रेडियो स्टेशन आकर जानकारी देने की कृपा करें.

ब्लड की जरूरत होने पर www.vikaspachori.in वेबसाइट पर रक्तदाताओं की लिस्ट देखने का कष्ट करें.

मोबाइल के प्ले स्टोर पर टाइप कीजिए VIKAS PACHORI RADIO

विकास पचौरी रेडियो 84 35 250 250

और फिर 24 घंटे आनंद लीजिए

कब्जा | **मंदिर जीर्णोद्धार के दौरान लिए गए आवास के बदले आज तक नहीं मिला भूमि का कब्जा**

14 वर्षों से न्याय की तलाश में पुजारी परिवार, केंद्रीय मंत्री चौहान को सौंपा आवेदन

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. ग्राम मनोरा स्थित प्राचीन श्री जगदीश स्वामी मंदिर से जुड़े 14 वर्ष पुराने भूमि विवाद में पुजारी परिवार ने न्याय की मांग तेज कर दी है. मंदिर के पुजारी परिवार के सदस्य चिंतामन दास, विनोद कुमार और अशोक कुमार बैरागी (वैष्णव) ने गंजबासौदा में आयोजित जन कल्याण शिविर के दौरान केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को आवेदन सौंपकर मामले में हस्तक्षेप करने और न्याय दिलाने की मांग की.

आवेदन में परिवार ने बताया कि मंदिर के जीर्णोद्धार के समय उनके आवासीय परिसर को इस आश्वासन के साथ हटाया गया था कि बदले में मंदिर परिसर के समीप वैकल्पिक भूमि उपलब्ध कराई जाएगी. परिवार का आरोप है कि भूमि आवंटन की बात तो कही गई, लेकिन 14 वर्ष बीत जाने के बाद भी न तो राजस्व सीमांकन कराया गया और न ही विधिवत कब्जा दिया गया.पीड़ित परिवार का कहना है कि इस संबंध में मंदिर ट्रस्ट, तहसील कार्यालय और एसडीएम कार्यालय में कई बार आवेदन और निवेदन किए गए, लेकिन आज तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला. उनका आरोप है कि भूमि अधिग्रहण और वैकल्पिक भूमि आवंटन से जुड़े दस्तावेजों की प्रतियां भी बार-बार मांगने के बावजूद उपलब्ध नहीं कराई गईं.परिवार के अनुसार, मंदिर ट्रस्ट के पूर्व पदाधिकारियों ने बताया था कि मंदिर जीर्णोद्धार के दौरान तत्कालीन तहसीलदार की उपस्थिति में भूमि संबंधी दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी की गई थी. इसके बावजूद संबंधित अभिलेख आज तक उपलब्ध नहीं कराए गए हैं, जिससे पूरे मामले पर सवाल खड़े हो रहे हैं.परिवार ने यह भी बताया कि 5 जुलाई 2026 को तहसीलदार ग्यारसपुर तथा गंजबासौदा-ग्यारसपुर विधायक के हस्तक्षेप के बाद मंदिर परिसर में ट्रस्ट की बैठक आयोजित की गई थी, लेकिन अधिकांश पदाधिकारी उसमें उपस्थित नहीं हुए. उनका दावा है कि कुछ पदाधिकारियों को बैठक की सूचना तक नहीं दी गई, जिससे विवाद के समाधान की दिशा में अपेक्षित प्रगति नहीं हो सकी.इससे पूर्व पीड़ित परिवार जिला कलेक्टर को भी विस्तृत आवेदन देकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच, भूमि का सीमांकन, वैधानिक कब्जा दिलाने तथा संबंधित अभिलेख उपलब्ध कराने की मांग कर चुका है.

बडबाला घाट पर होगी 124वीं महागंगा आरती

नवभारत न्यूज

विदिशा, माँ वैत्रवती गंगा मंगल आरती सेवा समिति परिवार जिला विदिशा मप्र के तत्वावधान में विगत सतराह वर्षों से माँ वैत्रवती गंगा को साफ स्वच्छ सुंदर वारहमासी सदानीरा वनाये रखने शासन प्रशासन आम जनमानस ओर जन प्रतिनिधियों को जाग्रत करने एक एक दिन की गणना के साथ की जा रही नित्य गंगा आरती के आज 13 जुलाई सोमवार को 6201 दिन पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हर पचास दिन बाद की जानेवाली महागंगा आरतीयों की श्रंखला में बडबाला घाट माँ वैत्रवती पुरम जिला विदिशा मप्र पर गोधुली वेला में सांयकाल 6.30 बजे माँ वैत्रवती गंगा की 124 वीं महागंगा आरती का आयोजन समिति द्वारा किया जा रहा है.